सफाई से लेकर योजनाओं की जानकारी दे रहीं महिलाएं

स्वरोजगार से सफल उद्यमी बनीं अंशु

नयनतारा कुमारी

प्रखंड : लेस्लीगंज
जिला : पलामू

पलामू जिले के लेस्लीगंड प्रखंड मुख्यालय से तीन किलोमीटर दूर है पथरई गांव. इस गांव की मां काली आजीविका सखी मंडल की सदस्य अंशु देवी की आज अपनी पहचान है. अंशु आज अपने परिवार के साथ खुशहाल जिंदगी जी रही हैं. कुछ साल पहले तक अंशु देवी के पास रोजगार का कोई साधन नहीं था. अंशु ने इंटर तक की पढ़ाई की थी. इसलिए वर्ष 2007 से ही निःस्वार्थ भाव से साक्षरता अभियान से जुड़ कर 15 से 35 आयु वर्ग के लोगों को मुफ्त में पढ़ाया करती थीं. उनकी सेवा भावना को देखते हुए उन्हें सम्मानित भी किया गया था और सम्मान के तौर पर एक साइकिल दी गयी थी. वर्ष 2017 में उन्हें महिला समूह की जानकारी मिली. जेएसएलपीएस की महिला समूह से जुड़ कर उन्होंने 13 महिलाओं को जोड़ कर एक समूह बनाया और बचत करने लगीं. उनके बेहतर कार्य को देखते हुए उन्हें सक्रिय महिला के तौर पर चुना गया. इसके बाद अंशु देवी महिलाओं को कैश क्रेडिट लोन दिलाने में मदद करने लगीं. अंशु देवी अपने घर में चारा और लकड़ी की दुकान चलाती थीं, लेकिन पूंजी कम होने के कारण काफी परेशानी होती थी. अंशु ने समूह से सबसे पहले 30,000 रुपये का लोन लिया और दुकान चलाना शुरू किया. इससे महीने में पांच हजार रुपये तक का मुनाफा हो जाता था. इस दौरान अंशु ने 20,000 रुपये का लोन चुकता कर एक बार फिर 20,000 का लोन लिया. इसके बाद से अंशु की जिंदगी में बदलाव आना शुरू हुआ. अब उनके दोनों बच्चे प्राइवेट स्कूल में पढ़ते हैं. खुद अंशु भी जीएलए कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी कर रही हैं. अंशु अब अपने गांव में प्रज्ञा केंद्र खोल कर अपने गांव और आस-पास के गांव के लोगों की परेशानियों को दूर करना चाहती हैं.

धान बीज तैयार कर रही हैं दीदियां

सुखमती गगराई

प्रखंड : हाट गम्हरिया
जिला : पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के हाटगम्हरिया प्रखंड स्थित कलाबुरू गांव की सखी मंडल की महिलाएं गांव में धान बीज का उत्पादन कर रही हैं. कलाबुरू गांव की महिला समूह की महिलाओं को बीपीएम तान्या गुप्ता ने पश्चिमी सिंहभूम के आत्मा के सहयोग से गांव के किसान और महिलाओं को अनुदानित दर पर 50 किलोग्राम सहभागी और 30 किलोग्राम नवीन धान का बीज दिया था. इस गांव में मिशन आजीविका उत्पादन समिति के द्वारा वर्ष 2017 में 75 किसानों को दो किलोग्राम प्रति किसान की दर से बीज दिया गया था. किसानों ने इस बीज से उन्नत तकनीक की खेती की, जिससे किसानों की पैदावार में काफी बढ़ोतरी हुई. गांव की ही कृषि मित्र राजश्री गगराई एरिया सेंटर कंकोबार से प्रशिक्षण लेकर आयी हैं. राजश्री गांव में किसानों को जैविक खाद और दवा के इस्तेमाल की जानकारी देती हैं. किसानों को श्रीविधि तकनीक से खेती करने के बारे

में जानकारी भी देती हैं. उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में श्रीविधि तकनीक सीखने के लिए गांव से 10 किलोमीटर दूर जाना पड़ता था. अब गांव में ही जानकारी मिल जाती है. आजीविका मिशन के तहत सभी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार से जोड़ा जा रहा है और उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है. इससे महिलाओं के परिवार में आर्थिक समृद्धि आ रही है और उनके जीवन में खुशहाली आ रही है.

घरेलू समस्याओं से निकलीं, बन रहीं आत्मनिर्भर

धान लगे खेत में कॉन्वोवीडर चलाकर घास को हटाती आजीविका कृषक मित्र.

सखी मंडलों से जुड़ कर ग्रामीण महिलाएं आत्मनिर्भर बनते हुए खुद को गरीबी से बाहर निकाल रही हैं. गिरिडीह जिले के डुमरी प्रखंड स्थित बरियारपुर गांव की चमेली देवी भी उन्हीं महिलाओं में से एक हैं, जो आगे बढ़ रही हैं. चमेली देवी आजीविका कृषक मित्र हैं. खुद से अपने खेतों में आधुनिक तकनीक का उपयोग कर अधिक पैदावार कर रही हैं. चमेली अब उचित मूल्य पर चावल बेच कर खुद को गरीबी से बहार निकाल रही हैं और आत्मनिर्भर हो रही हैं. चमेली देवी बताती हैं कि एकेएम का प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्हें आधुनिक तरीके से खेती-बारी करने की जानकारी मिली. प्रशिक्षण लेने से पहले उन्हें खेती-बारी के बारे में कुछ भी जानकारी नहीं थी. अब खुद से जैविक खाद बनाती हैं और खेतों में उसका इस्तेमाल करती हैं. सखी मंडल के द्वारा उन्हें कॉन्वोवीडर मशीन मिली है. इसी तरह आजीविका किसान मित्र कौशल्या देवी बताती हैं कि उन्होंने पहले कॉन्वोवीडर का नाम भी नहीं सुना था, पर अब आराम से खेतों में उसे चलाती हैं. उनकी काफी जमीन है, पर उन्हें आधुनिक खेती की जानकारी नहीं थी. अब कौशल्या भी खुद से जैविक खाद बनाती हैं और इसके उपयोग से फसलों की अच्छी पैदावार हो रही है. इससे आमदनी बढ़ी और आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा. अब बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं. एकेएम चंपा देवी बताती हैं कि पहले उनके घर की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी. सखी मंडल उनके लिए वरदान साबित हुई. सखी मंडल से दो हजार रुपये का लोन लेकर उन्होंने सब्जी की खेती शुरू की और अब उससे फायदा हो रहा है. 10,000 रुपये लोन लेकर धान की खेती की है. चंपा को भी कॉन्वोवीडर मशीन मिली है. चंपा बताती हैं कि अब वो काफी खुश हैं. परिवार में खुशहाली है. चंपा गरीबी से बाहर निकल रही हैं.

मुनिया देवी

प्रखंड : डुमरी
जिला : गिरिडीह

कृषि सिंगल विंडो सेंटर की जानकारी मिली

दुबलिया गांव में सखी मंडल की महिलाओं को कृषि सिंगल विंडो सेंटर की जानकारी देते अधिकारी.

रांची जिले के कांके प्रखंड स्थित दुबलिया गांव में सखी मंडल की महिलाओं को कृषि सिंगल विंडो सेंटर से मिलनेवाले लाभ के बारे में बताया गया. कृषि सिंगल विंडो सेंटर के समन्वयक जयपाल महतो ने महिलाओं को बताया कि सरकार द्वारा ग्रामीणों को राहत देने के लिए एक शाखा बनायी गयी है, जिसे कृषि सिंगल विंडो सेंटर का नाम दिया गया है. सिंगल विंडो सेंटर में जाकर ग्रामीण कृषि विभाग, पशु विभाग, भूमि संरक्षण विभाग, मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग और उद्यान विभाग की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं. पहले इन विभागों की जानकारी प्राप्त करने के लिए अलग-अलग जगहों में स्थित अलग-अलग विभागों में जाना पड़ता था. विभागों की सही जानकारी नहीं होने के कारण सूचना मिलने में काफी परेशानी भी होती थी. समय पर जानकारी भी नहीं मिल पाती थी. अब हर प्रखंड मुख्यालय में कृषि सिंगल विंडो सेंटर की स्थापना की गयी है, जहां सात विभागों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है. यहां किसानों को मौसम के अनुकूल बीज और खाद सरकारी दर पर उपलब्ध होने संबंधी जानकारी मिलेगी.

प्रीति लिंडा

प्रखंड : कांके
जिला : रांची

वहीं किसानों का फसल बीमा, समय पर पैसे मिले, किसान क्रेडिट कार्ड बनाना, भूमि संरक्षण विभाग के माध्यम से किसानों को मात्र 10 फीसदी ब्याज पर कृषि उपकरण उपलब्ध कराना, मत्स्य पालन के लिए किसान की जमीन पर तालाब खोदने के लिए 90 फीसदी राशि उपलब्ध कराना, पशुपालन के लिए भी 90 फीसदी राशि उपलब्ध कराने संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त होती है. इससे महिलाएं बहुत खुश हुईं. दुबलिया गांव की कृषि मित्र मुन्नी देवी ने बताया कि कृषि विभाग की मदद से ड्रीप एरिगेशन योजना का लाभ लिया जा सकता है. महिलाओं ने प्रखंड कार्यालय जाकर अधिक जानकारी लेने का भी निर्णय लिया.

ग्रामीण महिलाओं में अब गजब का आत्मविश्वास आ गया है. इससे महिला समूहों की मेहनत रंग ला रही है. अब महिलाएं घर और समाज में बदलाव की वाहक बन रही हैं. इसके अलावा अब बाल समूहों का भी गठन हुआ है. इसमें बच्चे एक जगह बैठते और बचत करना सीखते हैं. सखी मंडल की महिलाओं से सीख कर इनमें भी बचत की आदत आ रही है. बच्चे अपने भविष्य को लेकर भी चर्चा करते हैं. स्कूली बच्चों को पढ़ाई में दिक्कत न हो, इसके लिए दीदियां खुद से सोलर लालटेन बना रही हैं और पैसे भी कमा रही हैं. गांव-घर के अलावा महिलाएं पर्यावरण को लेकर भी सजग हैं. बागवानी के माध्यम से पेड़ लगा कर आजीविका का जरिया भी ढूंढ रही हैं. सफाई अभियान को लेकर समूह की महिलाएं सजग हुई हैं. गांव-मुहल्ले की सफाई में जुटी हैं. अब महिलाओं के बीच रोजगार के साधन का दायरा बढ़ रहा है.

बाल समूह में बच्चे करते हैं बचत पर चर्चा

खूंटी जिले के रनिया प्रखंड अंतर्गत जयपुर पंचायत के गढ़सिंदम गांव में पीआरआइ-सीडीओ के द्वारा बाल समूह का गठन किया गया है. 12 से 15 बच्चों को मिला कर समूह बनाया जाता है. बड़ों की तरह सभी बच्चे साप्ताहिक बैठक करते हुए बचत करने का गुर सीख रहे हैं. गांव की सक्रिय महिला ने उन बच्चों को रजिस्टर में लेखा-जोखा करना सिखाया. इसके बाद अब बच्चे खुद से ही रजिस्टर में समूह की बचत का हिसाब अच्छे से करते हैं. समूह की बैठक में बिना बताये अनुपस्थित रहने पर दंड देना पड़ता है. इसलिए सभी बच्चे समूह के बताये नियम का पालन भी करते हैं. बच्चे बताते हैं कि उन्हें समूह से जुड़ कर बहुत अच्छा लगता है. हर सप्ताह सभी बच्चे एक जगह इकट्ठा होकर समूह की गतिविधियों की चर्चा करते हुए बचत से होनेवाले लाभ पर भी बखूबी चर्चा करते हैं. समूह से जुड़ कर अब उनका सामाजिक विकास भी हो रहा है.

अमिता देवी

प्रखंड : रनिया
जिला : खूंटी

आम से आमदनी बढ़ाने की तैयारी

लातेहार जिले के छिपादोहर थाना क्षेत्र के हरातु गांव में तीन एकड़ जमीन में बागवानी की गयी है. मनरेगा के माध्यम से सखी मंडल की महिलाओं ने पौधरोपण किया है. शिव शक्ति और लक्ष्मी सखी मंडल की आठ महिलाएं बागवानी कर रही हैं. महिलाओं ने यहां 318 आम के पौधे लगाये हैं. इसके जरिये महिलाएं अपनी आय बढ़ा रही हैं. आय का स्त्रोत बढ़ने के साथ-साथ आम के पेड़ लगने से गांव का वातावरण भी शुद्ध रहेगा. बागान में इंटर क्रॉपिंग की जा सके, इसलिए पौधों को एक निश्चित दूरी पर लगाया गया है. खाली जगहों में लेमन ग्रास और तुलसी की खेती की जा सकती है, जिससे महिलाओं को दोगुना फायदा होगा. पहले हरातु गांव में ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता था, लेकिन गांव में पुलिस पिकेट बन जाने के बाद काफी बदलाव आया है. गांव को शहर से जोड़ने में सीआरपीएफ ने काफी मदद की. अब ग्रामीण सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ उठा रहे हैं.

नेहा कुमारी

प्रखंड : बरवाडीह
जिला : लातेहार

150 छात्र-छात्राओं को मिला सोलर लैंप

लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड में सरइडीह मिडिल स्कूल के स्कूली बच्चों के बीच सोलर लैंप का वितरण किया गया. बता दें कि केंद्र सरकार के द्वारा स्कूली बच्चों के बीच 150 सोलर लैंप का वितरण किया जाना है. इस मौके पर स्कूल के 150 छात्र-छात्राओं को सोलर लैंप दिया गया. मौके पर मौजूद इस विद्यालय के अमीनउल्लाह अंसारी ने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं. बच्चे अपने इरादे मजबूत करें और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें, तब जाकर बच्चे भविष्य में देश और राज्य का नाम रोशन करेंगे. मौके पर मौजूद सखी मंडल की महिलाओं ने बताया कि जेएसएलपीएस के सहयोग से समूह की महिलाएं खुद से सोलर लैंप बनाती हैं. योजना के माध्यम से कक्षा एक से 12वीं तक के सरकारी और निजी विद्यालयों में सभी छात्रों को अनुदानित मूल्य सौ रुपये में सोलर लैंप दिया जा रहा है. लाइट वितरण के दौरान विद्यालय के रामनाथ राम, सीसी मनीष कुमार, सक्रिय महिला सदस्य सुषमा देवी व बच्चे उपस्थित थे.

शबनम खातून

प्रखंड : बरवाडीह
जिला : लातेहार

महिलाओं ने चलाया सफाई अभियान

रांची जिला अंतर्गत कांके प्रखंड की हुंदुर पंचायत स्थित सिद्धी गांव में सफाई अभियान चलाया गया. ग्राम संगठन की महिलाओं के द्वारा सफाई अभियान चलाया गया. इस दौरान इस अभियान में गांव के पुरुषों ने भी महिलाओं का भरपूर साथ दिया. सखी मंडल की महिलाओं ने बताया कि गांव में इस तरह का सफाई अभियान पहली बार चलाया गया है. सफाई अभियान में गांव के हर गली-मोहल्ले और सड़कों की सफाई की गयी. गांव की सहिया लीलामुनी देवी ने बताया कि गांव में गंदगी होने के कारण ग्रामवासियों पर उसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है. ग्रामीण गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं. गंदगी के कारण मलेरिया, डायरिया, पीलिया जैसी बीमारी आमबात हो गयी है. इन बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई जरूरी है. पानी को जमा रहने न दें. जमा पानी को बीच-बीच में बदलते रहना चाहिए. जमा पानी में ही डेंगू के लार्वा पनपते हैं. सभी को पानी उबाल कर पीना चाहिए और रात में सोते समय मच्छरदानी अवश्य लगाना चाहिए.

सुनीता देवी

प्रखंड : कांके
जिला : रांची